कन्हैया माखन न खाने दूँगी

थोडा सा माखन खिला दो न राधा,
मांगू न फिर तुमसे करू न वाधा मटकी को हाथ लगाने न दूंगी
कन्हैया माखन न खाने दूँगी

रोज रोज माखन चुराते हो कान्हा
फोड़ दूंगा मटकी जो दो गे न राधा,
मटकी के पास तुम्हे आने न दूंगी
कन्हैया माखन न खाने दूँगी

मुरली बजाते तुम मटकी गिराते आता है
मजा जब तुम को सताते,
माखन का स्वाद तुम्हे पाने न दूंगी
कन्हैया माखन न खाने दूँगी

करुगी शिकायत मैं मैया से तेरी ऐसा न करना सुनो राधा रानी मेरी
बीस बाल थामा को बचाने न दूंगी
कन्हैया माखन न खाने दूँगी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18342/title/kanhiyan-makhan-na-khaane-dungi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |